एक महीने के लिए अब रुक गए शुभ कार्य, नहीं बजेगा बैंड और न सजेगी बारात

जम्मू, 10 नवम्बर (ए)। भैया दूज के साथ ही सभी शुभ कार्यों पर अब दो महीने के लिए विराम लग गया। विवाह , मुंडन और गृह प्रवेश जैसे सभी तरह के शुभ कार्य अब कुछ समय के लिए रुक गये हैं। शनिवार से बृसिसपति तार अस्त हो रहा है। हिन्दू धर्म में तारा अस्त होने और चढने का बड़ा महत्व है। कोई भी शुभ कार्य इस दौरान नहीं मनाया जाता है। वैसे भी 2018 समाप्त हो रहा है और इस वर्ष अब कोई भी बड़ा हिन्दू त्यौहार नहीं है। जनवरी महीने से लोहड़ी के त्यौहार के साथ ही फेस्टिवल सीजन फिर से शुरू हो रहा है। बृहिस्तपति अब सात दिसंगर को उदय होंगे। इसके बाद शुभ महुर्त शुरू होगा पर यह ज्यादा दिन नहीं चलेगा बल्कि 15 दिसंबर से फिर मारा डूब रहा है और शुभ कार्य वर्जित हो जाएंगे जो जनवरी 2019 में मकर संक्रति के साथ फिर शुरू होंगे। इस दौरान दुकानों पर भी मंदी का दौर रहता है।

खाक से खास में बदले लद्दाख के घर को मिला यूनेस्को पुरस्कार

नई दिल्ली, 10 नवम्बर (ए)। खखरखाव के अभाव में खाक में बदले पुरातन निर्माण शैली के एक भवन को शानदार मरम्मत कार्य के लिए यूनेस्को पुरस्कार मिला है। लद्दाख के इस भवन को सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया-पैसिफिक पुरस्कार के तहत अवार्ड ऑफ डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया गया है। औपनिवेशिक काल के मुंबई विश्वविद्यालय के राजाबाइ क्लॉक टॉवर और रत्तोनसी मूलजी जेट्या फाउंटेन को संयुक्त रूप से चीन के एक प्रोजेक्ट के साथ ऑनरेबल मेंशन श्रेणी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यूनेस्को ने एक बयान में इसकी घोषणा की है। लद्दाख प्रोजेक्ट के पुरस्कार के लिए अपनी प्रशस्ति पत्र में जूरी ने कहा है कि इस भवन के दोबारा पुराने रूप में आने से कला संबंधी गतिविधियों के लिए सजीव स्थान मिला है, जो स्थानीय लोगों के साथ ही वहां आने वाले लोगों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। लेह पैलेस में स्थिति इस भवन का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था।

2019 लोकसभा का चुनाव लड़ेगी लोहिया पार्टी : शिवपाल

इटावा, 10 नवम्बर (ए)। 2019 के लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती नजर आ रही हैं। चुनाव का समय जैसे-जैसे करीब आ रहा है वैसे-वैसे राजनीति घटनाक्रम भी तेजी से करवट ले रहा है। इस बीच प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के संस्थापक शिवपाल सिंह यादव ने सैफई हवाई पट्टी पर अपने समर्थकों के बीच खुलासा किया कि उनकी पार्टी 2019 लोकसभा का चुनाव लड़ेगी और सरकार में भी शामिल होगी। इस दौरान शिवपाल ने समाजवादी पार्टी और बीजेपी सरकार को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अब सपा का ग्राफ गिरेगा। सूबे की बीजेपी सरकार में लोगों की परेशानियां बढ़ीं हैं। आम जनता को न्याय नहीं मिल रहा है। थानों और तहसीलों में पीड़ितों का जमकर शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। नोटबंदी और जीएसटी से देश के लोग बेहद परेशान हैं।

वैज्ञानिकों का दावा : दिल्ली के प्रदूषित पर्यावरण के लिए पंजाब के किसान नहीं जिम्मेदार

लुधियाना, 10 नवम्बर (ए)। पंजाब खेतीबाड़ी यूनिवर्सिटी के जलवायु तब्दीली एवं खेती मौसम विभाग के वैज्ञानिक प्रभजोत कौर व हरप्रीत सिंह ने खुलासा किया कि दिल्ली समेत देश के दूसरे राज्यों के प्रदूषित पर्यावरण के लिए पंजाब के किसान जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने इस संबंध में तथ्यों पर आधारित जानकारी मीडिया के साथ साझा करते हुए बताया कि पंजाब सरकार के प्रयासों से पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले 2018 में पराली को जलाने के मामलों में कमी आई है। गत 2 वर्षों के दौरान पराली को जलाने को लेकर जितनी घटनाएं रिपोर्ट हुई हैं, उनके आंकड़े कम हैं। इस वर्ष 5 नवंबर तक धान की पराली जलाने के 27,238 मामले सामने आए हैं, जो पिछले वर्ष 2017 के मुकाबले 10,051 कम है। पंजाब में एयर क्वालिटी इंडेक्स 101-200 मीडियम स्थिति में है, जबकि नई दिल्ली में 301-400 है, जो बहुत खराब हालात में है।

विपक्ष के भारी विरोध के बीच सरकार मना रही टीपू जयंती

सीएम कुमारस्वामी ने किया किनारा

बेंगलुरू में टीपू जयंती समारोह का विरोध करते समय राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए भाजपा के नेता एवं कार्यकर्तागण।

बेंगलुरु ,10 नवंबर (ए)। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के भारी विरोध प्रदर्शन के बीच सत्तारूढ़ जेडीएस-कांग्रेस सरकार शनिवार को टीपू जयंती मना रही है। उधर, जयंती समारोहों के खिलाफ सूबे में भारी विरोध शुरू हो गया है। प्रदर्शनकारी सड़क पर उतर आए हैं। पुलिस ने बीजेपी के कई नेताओं को हिरासत में लिया है। उधर, भारी विरोध और प्रदर्शन के बीच आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। प्रदर्शन को देखते हुए सड़कों पर गाड़ियां नहीं चल रही हैं। लोग जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकल रहे हैं, ऐसे में कई जगहों पर सड़कों पर सन्नाटा भी पसरा है। कोडागु और विराजपत सहित कई इलाके प्रभावित हैं।

कर्नाटक के मडिकेरी में टीपू जयंती समारोह का विरोध कर रहे कई लोगों को पुलिस ने आज सुबह हिरासत में ले लिया। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने टीपू जयंती के विरोध में डेप्युटी कमिश्नर के ऑफिस में नारेबाजी भी की। मांड्या में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने टीपू जयंती के विरोध में काला दिवस मनाया है। इस बीच कर्नाटक के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बीजे जमीर अहमद खान ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात की है। कोडागु पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे बीजेपी एमएलए और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष केजी बोपैया को हिरासत में ले लिया। कोडागू में बीजेपी के प्रदर्शन के कारण आम जनजीवन ठप हो गया है।

उधर, राज्य के मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए कार्यक्रम से किनारा कर लिया है। माना जा रहा है कि विवाद से बचने के लिए सीएम ने जानबूझकर इस कार्यक्रम से खुद को अलग कर लिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी सूचना के मुताबिक कुमारस्वामी की तबीयत खराब है और डॉक्टरों ने उन्हें तीन दिनों तक आराम करने की सलाह दी है। उधर, राज्य के कैबिनेट मंत्री बी. काशेमपुर ने कहा है कि सीएम कुमारस्वामी ने कार्यक्रम के लिए विभाग को पूरी अथॉरिटी दी हुई है। उन्होंने कहा, मैं बीदर में टीपू जयंती कार्यक्रम में रहूंगा, जबकि जेडीएस मंत्री वेंकटराव नाडागौड़ा बेंगलुरु में सीएम की जगह पर कार्यक्रम करेंगे।

बीजेपी ने टीपू सुल्तान को अत्याचारी बताते हुए कांग्रेस से उनकी तुलना की है। बीजेपी ने ट्वीट कर कहा, कांग्रेस पार्टी और टीपू दोनों ही हिंदू विरोधी हैं। दोनों ही हिंदुओं की हत्या के लिए दोषी हैं। दोनों ही अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण में विश्वास रखते हैं। दोनों ही हिंदुओं को बांटना चाहते हैं। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं है कि कांग्रेस अत्याचारी टीपू की पूजा कर रही है। कर्नाटक बीजेपी ने कहा कि जहां कांग्रेस और जेडीएस सरकार अत्याचारी टीपू सुल्तान की जयंती मना रहे हैं वहीं सीएम कुमारस्वामी छिप गए हैं। एक उम्मीदी का जन्मदिन मनाने की क्या आवश्यकता है जब सीएम ने खुद ही आयोजन से किनारा कर लिया है। वोटबैंक के लिए एक हत्यारे को महिमा मंडित करना इस सरकार की मानसिकता को दर्शाता है।

आपको बता दें कि कर्नाटक सरकार ने घोषणा की है कि वह बीजेपी के विरोध के बावजूद इस वर्ष भी 18वीं सदी के मैसूर के शासक टीपू सुल्तान की जयंती अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक ही मनाएगी। उधर, बीजेपी और श्री राम सेना के समर्थक इस कार्यक्रम का भारी विरोध कर रहे हैं। बीजेपी ने मैसूर के शासक को अत्याचारी करार दिया है। केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार हेगड़े ने कहा है कि एक अत्याचारी के जन्मदिन को मनाए जाने की कोई जरूरत नहीं है।

ऊंची अदालतों में जजों के खाली पद भरने की कवायद हुई तेज

नई दिल्ली, 10 नवम्बर (ए)। ऊंची अदालतों में न्यायाधीशों की कमी को पूरा करने के लिए शीर्ष स्तर पर कवायद शुरू हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालने के महीने भर के भीतर जस्टिस रंजन गोगोई ने कोलेजियम की छह बैठकें कर डाली हैं।

इन बैठकों के जरिये विभिन्न हाई कोर्ट के लिए 29 न्यायाधीशों और सुप्रीम कोर्ट के लिए चार न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। देश के हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति कोलेजियम की संस्तुति पर की जाती है। इस संस्तुति को स्वीकृत कर केंद्र सरकार न्यायाधीशों की नियुक्ति करती है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली कोलेजियम में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मदन बी लोकुर, जस्टिस कूरियन जोसेफ, जस्टिस एके सीकरी और जस्टिस एसए बोबडे शामिल हैं। 30 अक्टूबर को हुई कोलेजियम की बैठक में मध्य प्रदेश, पटना, गुजरात और त्रिपुरा हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नामों की संस्तुति की गई। इन संस्तुतियों को 48 घंटे में स्वीकृत कर केंद्र सरकार ने भी अपनी तरफ से ऐतिहासिक पहल की। जस्टिस गोगोई तीन अक्टूबर को पदभार ग्रहण किया है, उनका कार्यकाल 17 नवंबर 2019 तक रहेगा। पदभार ग्रहण करने के बाद जस्टिस गोगोई ने नौ अक्टूबर को पहली बैठक की। इस बैठक में कर्नाटक, केरल, मद्रास हाई कोर्ट के लिए न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए संस्तुतियां की गईं।

उसी दिन एक और बैठक करके कोलेजियम ने सिक्किम, कलकत्ता, गुवाहाटी, उत्तराखंड और बांबे हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीशों के लिए नामों की संस्तुति की।

कार सवार लड़की ने नशे में 3 गाड़ियों को मारी टक्कर, महिला की मौत, बच्ची घायल

नई दिल्ली ,10 नवंबर (ए)। दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में शुक्रवार रात को शराब के नशे में चूर एक लड़की ने अपनी कार से तीन गाड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी. यह सड़क हादसा इतना भयानक था कि दूसरी गाड़ी में सवार 38 साल की पूनम सरदाना नाम की एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं उनकी 13 साल की बेटी बुरी तरह घायल हो गई है. उसके चेहरे और सिर में कई गंभीर चोटें हैं.

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे उन्हें पीसीआर कॉल मिली कि पंजाबी बाग फ्लाईओवर पर एक बड़ा हादसा हो गया है. पुलिस जब मौके पर पहुंची तो 2 एस क्रॉस गाड़ियां और एक महिंद्रा कुण्टो आपस में भिड़ी मिली. शिकायतकर्ता सुधीर सरदाना ने बताया कि वो एक कारोबारी हैं और दिल्ली के आदर्श नगर में रहते हैं.

वह अपने भाई विमल सरदाना के साथ और दोनों के परिवार एक साथ छतरपुर मंदिर से वापस घर लौट रहे थे. तभी पंजाबी बाग फ्लाईओवर के पास एक यूपी नंबर एस क्रोस कार जो काफी तेज रफ्तार थी वो डिवाइडर पर टक्कर मारते हुए सड़क के दूसरी तरफ चल रही उनकी कार में जा भिड़ी और फिर एस क्रॉस कार में जा भिड़ी.

हादसे में महिंद्रा कुण्टो कार में सवार विमल सरदाना की 38 साल की पत्नी पूनम सरदाना की मौत हो गई जबकि उनकी बेटी 13 की चेतन्या बुरी तरह घायल हो गई है. चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के बाद कार चला रही आरोपी लड़की को कार से नीचे उतारा गया. लड़की के साथ कार में दो लड़के और एक और लड़की भी थी.

आरोपी लड़की शराब के नशे में इतनी धुत थी कि वो कहने लगी कि उसने शराब पी रखी है लेकिन कार वो नहीं चला रही है. पुलिस ने मौके से आरोपी लड़की को पकड़ लिया और उसकी मेडिकल जांच कराई जिससे पता चला है कि उसने बहुत ज्यादा शराब पी हुई थी.

वहीं विमल सरदाना के मुताबिक डॉक्टरों ने बताया है उनकी बेटी की एक आंख में कांच घुसने की वजह से गहरी चोट है,चेहरे और सिर पर भी गंभीर चोटें हैं.

आप का आरोप, मनोज तिवारी को ब्रिज हंगामे पर बचा रहे पुलिस कमिश्नर

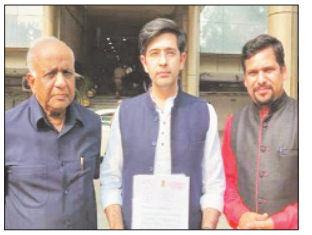

नईदिल्ली, 10 नवम्बर (ए)। राजधानी दिल्ली में सिग्नेचर ब्रिज के उद्घाटन के मौके पर हुए हंगामे का मामला पुलिस और थाने हुए अब दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर तक पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी के तीन नेताओं ने शुक्रवार को बीजेपी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी के खिलाफ शिकायत लेकर दिल्ली पुलिस कमिश्नर से मिलने पुलिस मुख्यालय पहुंचे।

आम आदमी पार्टी के डेलिगेशन में आप के राज्यसभा सांसद एनडी गुप्ता, आप प्रवक्ता राघव चड्ढा और बुराड़ी के विधायक शामिल रहे। बता दें कि ब्रिज के उद्घाटन समारोह के दिन एक ओर जहां मनोज तिवारी की दिल्ली पुलिस के अफसरों के अलावा,क कार्यकर्ताओं से झड़प हुई थी, तो वहीं आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान मनोज तिवारी को धक्का देते दिखाई दिए थे। हंगामे के बाद बीजेपी के 2 कार्यकर्ताओं और राज्य के बीजेपी अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दिल्ली पुलिस से शिकायत की थी, जिसके बाद आप विधायक अमानतुल्ला पर केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच क्राइम ब्रांच के हवाले है।

आम आदमी पार्टी का आरोप है कि आप के विधायक पर तो एफआईआर दर्ज कर ली गई। लेकिन मनोज तिवारी और उनके समर्थकों ने अरविंद केजरीवाल पर हमला किया, साथ ही पुलिसवालों से भी झड़प हुई। इस मामले पर दिल्ली पुलिस ने लिखित शिकायत देने के बावजूद भी मनोज तिवारी के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की। कमिश्नर से मुलाकात के बाद,क प्रवक्ता ने दावा किया कि कमिश्नर ने तिवारी का बचाव किया है। उन्होंने कहा, कमिश्नर ने मनोज तिवारी और दिल्ली पुलिस के अफसर को जो वीडियो सामने आया था, उस पर एक तरह से मनोज तिवारी का बचाव करते हुए कहा कि वीडियो में कुछ भी साफ नहीं कि किसने किस पर हमला किया। कमिश्नर से मिलने के बाद भी,क डेलिगेशन संतुष्ट नहीं दिखाई दिया। उन्होंने पुलिस पर दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

गौरतलब है कि सिग्नेचर ब्रिज विवाद के बाद,क के विधायक अमानतुल्ला के खिलाफ तीन एफआईआर दर्ज की गई है और मामले की जांच दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस जल्द ही अमानतुल्ला को पूछताछ के लिए बुला सकती है।

पार्किंसन के इलाज के लिए स्टेम सेल का मस्तिष्क में ट्रांसप्लांट अब संभव

टोक्यो, 10 नवम्बर (ए)। लंबे समय तक तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर चलने-फिरने से मजबूर करने वाली बीमारी पार्किंसन को ठीक करने को जापान में एक नया शोध किया गया है। इस प्रयोग में क्योटो यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों ने एक प्रकार के स्पेशल स्टेम सेल को पार्किंसन से पीड़ित व्यक्ति के मस्तिष्क में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया है। गत माह हुए इस मेडिकल प्रयोग में 24 लाख की संख्या में इंड्यूस्ड प्लुरीपोटेंट स्टेम(आइपीएस) सेल को एक 50 साल से ऊपर के पार्किंसन से पीड़ित व्यक्ति के मस्तिष्क के बाएं हिस्से में प्रत्यारोपित किया गया। इनकी हालत अभी स्थिर बनी हुई है और अभी दो वर्षों तक इन्हें चिकित्सकों की निगरानी में रखा जाएगा। इस पहले चरण की सफलता के छह महीने बाद इतनी ही संख्या में स्टेम सेल का एक और प्रत्यारोपण मस्तिष्क के दाएं हिस्से में किया जाएगा।

शोध में लिए गए इन स्टेम सेल को एक स्वस्थ डोनर से लेकर पहले ब्रेन सेल में विकसित किया गया। फिर इसे पीड़ित आदमी के मस्तिष्क में प्रत्यारोपित किया गया। वस्तुतः पार्किंसन से पीड़ित व्यक्ति के मस्तिष्क में डोपामीन स्राव करने वाली कोशिकाएं मर जाती हैं। जिसके कारण उनके शरीर का सिस्टम यानी अंगों की गतिविधि को संचालित करने वाला मस्तिष्क केंद्र अप्रभावी हो जाता है।

पार्किंसन एक लंबे समय तक प्रभावित करने वाला रोग है जिसमें तंत्रिका तंत्र प्रभावित होने के कारण चलने-फिरने में कठिनाई के साथ-साथ शरीर के अंग कांपते हैं और इसके ठीक होने की संभावना लगभग नहीं के बराबर होती है। पार्किंसन डिजीज फाउंडेशन के अनुसार विश्व भर में एक करोड़ से भी ज्यादा लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं। अभी तक इस बीमारी में उपलब्ध इलाज इनके लक्षणों में कुछ कमी ही ला पाते हैं। ये इसके दीर्घकालिक प्रभाव को न तो खत्म कर पाते हैं और न ही इसे आगे और जटिल होने से रोक पाते हैं।मनुष्य पर किए गए इस शोध से पहले इस प्रयोग का ट्रायल बंदरों पर किया जा चुका है। पार्किंसन से पीड़ित इन बंदरों पर आइपीएस सेल का प्रयोग सकारात्मक नतीजे लेकर आया था। इन पर किए गए प्रयोग से यह बात भी सामने आई कि आइपीएस सेल प्रत्यारोपित होने के दो साल बाद भी किसी तरह का ट्यूमर नहीं बना।

दुनिया का पहला ऐसा एंकर, जो 24 घंटे सुना सकता है खबरें

शिन्हुआ, 10 नवम्बर (ए)। चीन में यह पता लगाना मुश्किल होगा कि समाचार टीवी चैनल पर दिखाई देने वाला व्यक्ति असली है या फिर मशीन है। दरअसल चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' में अब आभासी एंकर खबर पढ़ते नजर आएंगे। कंपनी ने दर्शकों के सामने गुरुवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एक आभासी समाचार वाचक पेश किया। रोचक बात यह है कि इसे देखकर यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि यह वास्तविक इंसान नहीं है। यह एंकर ठीक पेशेवर न्यूज एंकर की तरह खबरें पढ़ सकता है। माना जा रहा है कि हमारी जिंदगी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मौजूदगी का यह नया अध्याय है। अंग्रेजी बोलने वाला यह न्यूज रीडर अपनी पहली रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बोलता है, 'हैलो, आप देख रहे हैं इंग्लिश न्यूज कार्यक्रम।' **'सोगो' ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका :** शिन्हुआ के लिए इस तकनीक को विकसित करने के लिए चीनी सर्च इंजन 'सोगो' ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आभासी समाचार वाचक अपने पहले वीडियो में कहता है, 'मैं आपको सूचनाएं देने के लिए लगातार काम करूंगा क्योंकि मेरे सामने लगातार शब्द टाइप होते रहेंगे। मैं आपके सामने सूचनाओं को एक नए ढंग से प्रस्तुत करने वाला अनुभव लेकर आऊंगा।'

3डी मॉडल पर आधारित : विशेषज्ञों ने असली इंसान के 3डी मॉडल का इस्तेमाल करते हुए आभासी एंकर तैयार किया और इसके बाद एआइ तकनीक के माध्यम से आवाज और हावभाव को तैयार किया गया।

जन्म दर घटने से दुनिया के करीब आधे देशों में बेबी संकट

वॉशिंगटन/पैरिस, 10 नवम्बर (ए)। विकासशील देशों में जहां एक तरफ जन्म दर बढ़ रही है, वहीं दर्जनों अमीर देशों में महिलाएं पर्याप्त बच्चे पैदा नहीं कर पा रही हैं, जिससे कि वहां का जनसंख्या स्तर बरकरार रहे। शुक्रवार को रिलीज हुए आंकड़ों से यह बात सामने आई है। दुनियाभर के देशों में जन्म, मृत्यु और बीमारी की दर से जुड़े आंकड़ों के विश्लेषण से एक चिंताजनक तस्वीर भी उभरी है। दरअसल, दुनियाभर में सबसे ज्यादा मौत अगर किसी एक बीमारी से हो रही है तो वह है हृदय की बीमारी। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी द्वारा स्थापित द इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स ऐंड इवैल्यूएशन (हेल्थ) ने ग्लोबल पब्लिक हेल्थ का विस्तृत अध्ययन करने के लिए 8,000 से ज्यादा डेटा स्रोतों का इस्तेमाल किया। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि जहां 1950 से 2017 के बीच दुनिया की आबादी बहुत ही तेजी से बढ़ी। 1950 में जहां दुनिया की आबादी 2.6 अरब थी, वह 2017 में बढ़कर 7.6 अरब हो गई। जनसंख्या में यह वृद्धि क्षेत्रवार और आय के अनुसार बहुत अलग है। आंकड़ों से जाहिर होता है कि दुनिया के करीब आधे देश बेबी संकट से जूझ रहे हैं, जहां जन्म दर जनसंख्या के स्तर को बरकरार रखने के लिए नाकाफी है। 195 देशों में से 91 देशों- मुख्यतः यूरोप और उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका के देशों में, उतने बच्चे नहीं पैदा हो रहे हैं जो मौजूदा आबादी को बरकरार रखने में सक्षम हो। इन देशों में जन्म दर औसत वैश्विक जन्म दर से नीचे है। दूसरी तरफ अफ्रीका और एशिया में फर्टिलिटी रेट का बढ़ना जारी है। उदाहरण के तौर पर, नाइजीरिया में औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में 7 बच्चे पैदा करती है।

IHME में हेल्थ मेट्रिक्स साइंसेज के प्रफेसर अली मोकदाद के मुताबिक जनसंख्या वृद्धि दर को निर्धारित करने वाला अगर कोई इकलौता सबसे अहम कारक है, तो वह है शिक्षा। उन्होंने बताया कि एक महिला जितनी अधिक शिक्षित होगी, वह उतना ही ज्यादा स्कूल-कॉलेज में समय बिताई होगी। इस तरह वह देर से गर्भवती होगी और उसके बच्चे भी कम होंगे। IHME ने पाया कि साइप्रस धरती पर सबसे कम उर्वर देश है, जहां औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में सिर्फ एक बच्चे को जन्म देती है। इसके उलट, माली, चाड और अफगानिस्तान जैसे कुछ देशों में औसतन एक महिला 6 से ज्यादा बच्चों को जन्म देती है।